सीआईएमपी में पीजीडीएम आईईवी पाठ्यक्रम को मंजूरी

■ पटना (एसएनबी)।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने आप में अद्वितीय होगा। क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाय स्वरोजगार सुनिश्चित करेगा।

वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल सीआईएमपी को यह मौका मिला है। यह कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागी से उद्यम विकास सुनिश्चित करता है। जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री -इन्क्यूबेशन), अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) परीक्षण,

संवाददाताओं को जानकारी देते संस्थान के निदेशक।

ऊष्मायन समर्थन (इन्क्यूबेशन सपोर्ट) , प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। संस्थान इस प्रोग्राम के माधयम से बाजार विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी समर्थन देगा। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने कहा कि पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआईएमपी-बीआईआईएफ) के साथ साझेदारी में पेश किया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्थान के

■ एआईसीटीई से मान्यता मिलने वाला यह सूबे का पहला संस्थान : डॉ. राणा

पास कार्यात्मक ऊष्मायन केंद्र (फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर) होना एक पूवपिक्षा शर्त है। यह कार्यक्रम विभिन्न घटकों जैसे कि कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स, लाइव इंटर्नशिप आदि के माध्यम से उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम सितंबर के महीने में शुरू किया जाएगा और संभावित उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए सीआईएमपी की वेबसाइट देख सकते हैं।

Rashtriya Sahara ! Page.No- 05 ! Dated:05-07-2022

पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम शुरू करने वाला सीआईएमपी बिहार का पहला संस्थान

(आज समाचार सेवा)

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने परिणाम में अद्वितीय होगा क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाये उनके स्व - रोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा। वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल ,सीआईएमपी , को यह सुनहरा मौका मिला है। यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागी से उद्यम विकास सुनिश्चित करता है जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री -इन्क्यूबेशन), अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) परीक्षण, ऊष्मायन समर्थन (इन्क्यूबेशन सपोर्ट), प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। संस्थान इस प्रोग्राम के माधयम से 'बाजार विकास' और 'आईपीआर फाइलिंग' के मामले में भी समर्थन देगा, सीआईएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा। पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआईएमपी-बीआईआईएफ) के साथ साझेदारी में पेश किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय (स्भ्श्च) के मुताबिक इस कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्थान के पास कार्यात्मक ऊष्मायन केंद्र (फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर) होना एक पूर्वापेक्षा शर्त है। यह कार्यक्रम विभिन्न घटकों जैसे कि कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स, लाइव इंटर्नशिप आदि के माध्यम से उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम सितंबर के महीने में शुरू किया जाएगा और संभावित उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए सीआईएमपी की वेबसाइट 222.cimp.ac.in देख सकते हैं।

AAJ ! Page.No-08 ! Dated:05-07-2022

सीआईएमपीः शुरू होगा उद्यम विकास व नवाचार पाठ्यक्रम

देश के दस संस्थानों को पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की मान्यता, सीआईएमपी बिहार में इकलौता संस्थान

एजुकेशन रिपोर्टर, पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) में उद्यमिता, नवाचार और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम इसी साल से शुरू होगा। संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने बताया कि पीजीडीएम-आईईवी कोर्स शुरू करने वाला सीआईएमपी राज्य का इकलौता संस्थान है। इस साल देश के 10 संस्थानों को यह कोर्स संचालित करने का मौका मिला है, जिसमें हम भी शामिल हैं। पिछले दिनों एआईसीटीई के अधिकारियों ने कैंपस का निरीक्षण किया था। निदेशक ने बताया कि पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की खासियत यह है कि इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इस वर्ष 30 सीटों पर नामांकन होगा। सितंबर से इसकी शुरुआत होगी। आवेदन की प्रक्रिया, कोर्स फी व अन्य जानकारी वेबसाइट www.cimp.ac.in पर उपलब्ध है। संस्थान परिसर में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में निदेशक ने बताया कि वर्तमान में इस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए के लिए सीआईएमपी के साथ साथ पूरे देश में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है। बिहार में सिर्फ सीआईएमपी को यह मौका मिला है। इस प्रोग्राम के माध्यम से उद्यम विकास सुनिश्चित होगा जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री -इन्क्यूबेशन), अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) परीक्षण, ऊष्मायन समर्थन (इन्क्यूबेशन सपोर्ट), प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। इस अवसर पर कुमोद कुमार और डा. राजीव वर्मा उपस्थित थे।

Dainik Bhaskar ! Page.No-04 ! Dated:05-07-2022

पीजीडीएम आईईवी कार्यक्रम शुरू करनेवाला सीआईएमपी बना बिहार का पहला संस्थान

पटना/का.सं। सीआईएमपी नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने परिणाम में अद्वितीय होगा। क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाये उनके स्व -रोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा। वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है। बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल, सीआईएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है। यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागी से उद्यम विकास सुनिश्चित करता है जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा, अवधारणा के प्रमाण परीक्षण, ऊष्मायन समर्थन, प्रोटो टाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। संस्थान इस प्रोग्राम के माधयम से 'बाजार विकास' और 'आईपीआर फाइलिंग' के मामले में भी समर्थन देगा। इस संबंध में सीआईएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा कि पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशनफाउंडेशन के साथ साझेदारी में पेश किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्थान के पास फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर होना एक पूर्वापेक्षा शर्त है। यह कार्यक्रम विभिन्न घटकों जैसे कि कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स, लाइव इंटर्नशिप आदि के माध्यम से उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा।

Sanmarg ! Page.No-03 ! Dated:05-07-2022

देश के दस संस्थानों को मिली है पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की मान्यता

सीआईएमपी में नवाचार की पढ़ाई इसी साल से

पटना, मुख्य संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में इस वर्ष से नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू हो रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने बताया कि पीजीडीएम-आईईवी कोर्स शुरू करने वाला सीआईएमपी राज्य का इकलौता संस्थान है। उन्होंने बताया कि इस साल देश के 10 चुनिंदा संस्थानों को इस कोर्स को संचालित करने का मौका मिला है।

पिछले दिनों एआईसीटीई के अधिकारियों ने कैंपस का निरीक्षण कर पाया कि सीआईएमपी इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिये जरूरी शर्तों को संपुष्ट करता है। बकौल निदेशक, पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की खासियत यह है कि इसकी पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाय स्वरोजगार सृजन की राह सुनिश्चित होगी। इस साल तीस सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। आवेदन की जानकारी के आवेदक सीआईएमपी की वेबसाइट **www.cimp.ac.in** पर देख सकते हैं।

- एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित है नवाचार, उद्यमिता व उद्यम विकास का यह कोर्स

25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने दी मंजूरी

संस्थान परिसर में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में निदेशक ने बताया कि वर्तमान में इस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए सीआईएमपी के साथ-साथ पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है। बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल सीआईएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है। इस प्रोग्राम के माध्यम से उद्यम विकास सुनिश्चित होगा, जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री-इन्क्यूबेशन), अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) परीक्षण, ऊष्मायन समर्थन (इन्क्यूबेशन सपोर्ट), प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यवसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के अधिकारियों में कुमोद कुमार और डॉ. राजीव वर्मा उपस्थित थे।संस्थान के द्वारा बताया गया कि इस प्रोग्राम के माध्यम से बाजार विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी सपोर्ट देगा। पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआईएमपी-बीआईआईएफ) के साथ साझेदारी में संचालित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्थान के पास कार्यात्मक ऊष्मायन केंद्र (फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर) होना एक पूर्वापेक्षा शर्त है।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-07 ! Dated:05-07-2022

नौकरी लेने नहीं, लगाएंगे नौकरी देने वालों की कतार

जागरण संवाददाता, पटना : अब युवा नौकरी लेने के लिए कतार नहीं लगाएं, अब सभी नौकरी देने के लिए नए द्वार खोलेंगे। इसके लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने विशेष पाठ्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट-इनोवेशन, इंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट (पीजीडीएम-आइईवी) चलाने की अनुमति दी है।

यह बातें चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहीं। उन्होंने कहा कि एआइसीटीई द्वारा अनुमोदित पीजीडीएम-आइईवी कार्यक्रम शुरू करने वाला सीआइएमपी बिहार का पहला संस्थान होगा। यह पूरी तरह नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा पीजी पाठ्यक्रम होगा। इससे स्व-रोजगार की क्षमता वृद्धि होगी। इसमें 30 सीटों पर पढ़ाई होगी। दो वर्षों में छह लाख रुपये पाठ्यक्रम में खर्च होंगे।

सीआइएमपी में नए पाठ्यक्रम लांच करने की जानकारी देते निदेशक प्रो. राणा सिंह, सीएओ कुमुद कुमार व अन्य। ● जागरण

Dainik Jagran ! Page.No-04
Dated:05-07-2022

पीजीडीएम-आइइवी सूबे में सबसे पहले सीआइएमपी में

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है. कार्यक्रम अपने परिणाम में अद्वितीय होगा, क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाय उनके स्व-रोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा. वर्तमान में कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआइसीटीइ ने मंजूरी दी है और राज्य में केवल एक बिजनेस स्कूल, सीआइएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है. संस्थान इस प्रोग्राम के माध्यम से 'बाजार विकास' और 'आइपीआर फाइलिंग' के मामले में भी समर्थन देगा, सीआइएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा पीजीडीएम-आइइवी कार्यक्रम सीआइएमपी द्वारा सीआइएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआइएमपी-बीआइआइएफ) के साथ साझेदारी में पेश किया जायेगा.

Prabhat khabar
Date-05/07/2022
Page N0-04